

डा. देवब्रत ने बायोफ्यूल्स, हाईड्रोजन की विशेषताएं बताईं

▶▶ एन.आई.टी. अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का 6, 7 एवं 8वां दिन ▶▶ तीन दिनों में दिए कुल 11 लैक्चर



संबोधित करते हुए डा. देवब्रत दास, (मध्य) समारोह दौरान संयुक्त चित्र में डा. रोबर्टो, डा. देवब्रत दास, डा. अरविंद अग्निहोत्री, डा. निताए बसक, डा. ए.के. जाना व सभी प्रतिभागी विद्यार्थी तथा (दाएं) डा. रोबर्टो को विदायगी देते तथा डा. देवब्रत दास का स्वागत करते हुए डा. अरविंद अग्निहोत्री, डा. निताए बसक, डा. ए.के. जाना व अन्य। (निशांत)

जालंधर, 23 मई (अभिनेंदन): ज्ञान प्रोजेक्ट के अगुआ एन.आई.टी. में बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा जारी 'बायोटेक्नोलॉजी एंड प्रोसेस इंजीनियरिंग फॉर बायोफ्यूल्स प्रोडक्शन' लैक्चर श्रृंखला के दौरान शनिवार को इटली से आए प्रो. डा. रोबर्टो को विदायगी दी गई और आई.आई.टी. खड़गपुर से आए डा. देवब्रत दास का स्वागत किया गया। डा. देवब्रत दास ने 6, 7 एवं 8वें

दिन कुल 15 में से 11 लैक्चर दिए जिनमें 'बायोफ्यूल्स प्रोडक्शन प्रोसेस फ्रॉम रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सिज', 'माइक्रोऑर्गेनिज्म इंवोल्व्ड इन बायोफ्यूल्स प्रोडक्शन प्रोसेस', 'डिफ्रैक्ट बायोकेमिकल पाथवेस फार द बायोफ्यूल प्रोडक्शन', 'कंडिनेटिक्स आफ बायोहाईड्रोजन प्रोडक्शन', 'थर्मोडायनैमिक एंड काइनेटिक आफ बायोमीथेनेशन प्रोसेस', 'इंफैक्ट आफ फिसिको-

केमिकल पैरामीटर आन द बायोफ्यूल्स प्रोडक्शन', 'जीरो कार्बन गैसिफिकेशन प्रोडक्शन प्रोसेसिज वाए मीसोफाइलस', 'जीरो कार्बन गैसिफिकेशन प्रोडक्शन प्रोसेसिज वाए थर्मोफाइलस', 'जीरो कार्बन गैसिफिकेशन प्रोडक्शन प्रोसेसिज वाए फोटोबायोलॉजिकल प्रोसेसिज', 'एनल बायोरिफाइनिंग एंड इंस पोर्टेबिलिटी' तथा 'न्यूबैरिक्ल एंड ट्यूटोरियल्स वेस्ट

आन अबव चैप्टर्स' शामिल हैं। इन 11 लैक्चरों में डा. देवब्रत ने बायोफ्यूल्स व हाईड्रोजन की विशेषताएं बताईं।

उन्होंने बताया कि दोनों के हस्तांतरण से प्रदूषण में कमी होगी तथा पर्यावरण संरक्षित रहेगा। उन्होंने बताया कि पहले स्तर पर वेलेटाइल फेटी एसिड बनते हैं जबकि दूसरे स्तर पर मिथेन एवं कार्बन डाईऑक्साइड से फेटी एसिड बनते

हैं। बायोमीथेन प्रोडक्शन में मिक्सिग, सी.एन. रेसो, नाइट्रोजन इन्हीबिशन, एच.अर.टी., तापमान व पी.एच. जैसे फैक्टर प्रभावित करते हैं।

उन्होंने बताया कि दुबई व चीन के मसहूर व डोंगटन शहर 100 प्रतिशत जीरो कार्बन शहर हैं क्योंकि वह रिन्यूएबल रिसोर्सिज पर चलते हैं। थर्मोफिलिक मिला हुआ बैक्टीरिया 60 डिग्री के तापमान पर

सबसे अधिक हाईड्रोजन बनाता है। डार्क एवं फोटो फर्मेंटेशन को एक साथ कर ऑर्गेनिक वेस्ट, डिस्टिलरी वेस्ट एवं कार्बन सोर्सिज द्वारा भी हाईड्रोजन को बनाया जा सकता है जिसकी मात्रा खासी अधिक होती है। एले भी ऑर्गेनिक वेस्ट से हाईड्रोजन, न्यूट्रासिडेटिक्स बना सकते हैं। इस मौके पर डा. अरविंद अग्निहोत्री, डा. निताए बसक, डा. ए.के. जाना आदि मौजूद थे।